ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

माया मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए

परमात्म इशारे

उत्साह ऐसी चीज़ है
जो उसके आगे परिस्थिति कुछ भी नहीं है,
वह वार करने के बजाए बलिहार हो जाती है।
तो सदा उत्साह में रहो।

(साकार मुरली - 05.06.2023)

Peace of Mind
d2h 1221
dishtv 1087
TATA PLAY 1065
airtel digital TV 678
SUN DIRECT 496

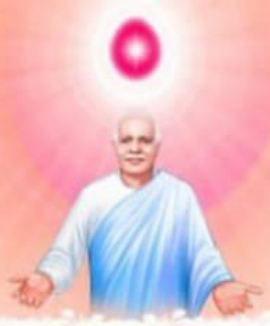

अव्यक्त शिक्षाएँ

सहज पुरुषार्थी अर्थात् सबको पार कर सर्व सहज प्राप्ति करने वाले। सहज पुरुषार्थी सदा वर्तमान और भविष्य प्रालब्ध पाने के अनुभवी होंगे। प्रालब्ध सदा ऐसे स्पष्ट दिखाई देगी जैसे स्थूल नेत्रों द्वारा स्थूल वस्तु स्पष्ट दिखाई देती है। ऐसे बुद्धि के अनुभव के नेत्र द्वारा अर्थात् तीसरे दिव्य नेत्र द्वारा प्रालब्ध दिखाई देगी। सहज पुरुषार्थी हर कदम में पदमों से भी ज़्यादा कमाई का अनुभव करेंगे। ऐसा स्वयं को सदा संगमयुगी सर्व खज़ानों से भरपूर आत्मा अनुभव करेंगे। किसी भी शक्ति से, किसी भी गुण के खजाने से, ज्ञान के किसी भी पाइंट के खजाने से, खुशी से, नशे से कभी खाली नहीं होंगे। खाली होना गिरने का साधन है। खड्डा बन जाता है ना। तो खड्डे में गिर जाते हैं। थोड़ी सी भी मोच आ जाती है तो परेशान हो जाते हैं ना! यह भी बुद्धि की मोच आ जाती है। संकल्प टेढ़ा हो जाता है। शक्तिशाली मालामाल के बदले कमजोर और खाली हो जाते हैं। तो संकल्प की मोच आ गई ना।

अ.बापदादा-11.04.83

जो अपनी सूक्ष्म शक्तियों (मन-बुद्धि और संस्कार) को हैन्डिल कर लेते हैं, वह दूसरों को भी हैन्डिल कर सकते हैं।

Sakar Murli - 08.06.2023

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/SakarMurliEssence

मन और बुद्धि को
समर्थ स्थिति में स्थित करने का
प्रोग्राम सेट करो
मन को बिजी रखने की कला
सम्पूर्ण रीति से यूज़ करो
तो व्यर्थ से मुक्त हो जायेंगे
कभी भी अपसेट नहीं होंगे

OM SHANTI

परमपिता शिव परमात्मा

मन को बिजी रखने की कला

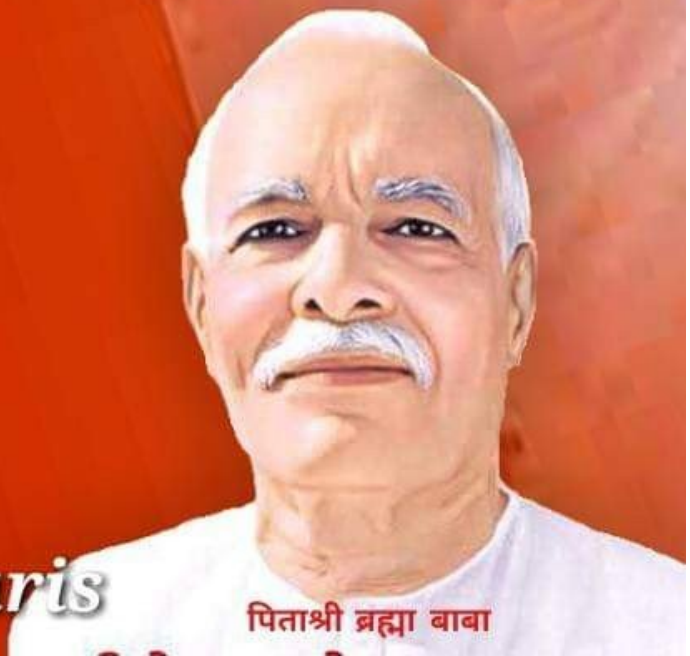

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

शिवशक्ति सरस्वती माँ

मम्मा जब मुरली चलाती थीं तो सब ऐसे तन्मय होकर सुनते थे कि मूर्तिवत् हो जाते थे। मुरली डेढ़ घण्टा चलती थी तो एकाग्रता से बैठ सुनते थे। मम्मा की मुरली इतनी प्यारी होती थी कि बात मत पूछो। पूरे यज्ञ में देखा जाय तो मम्मा बहुत कम बात करती थीं।

Swayam ke Swabhaav Sanskar ka Paper

आज तक भी आप श्रेष्ठ आत्माओं को विजयी रतन के रूप में दुनिया वाले सुमिरण करते और पूजते रहते हैं। पुरूषार्थ करने का समय भी बहुत मिला-नम्बरवार यथाशक्ति पुरूषार्थ भी किया। अब क्या करना है - अब पुरूषार्थ के प्रत्यक्ष फलस्वरूप अर्थात् सफलता स्वरूप बन स्वयं भी हर कार्य में सफल रहो और सर्व आत्माओं को भी सफलता मूर्त्त का वरदान दो। पुरूषार्थ स्वरूप के बजाए वरदानी महादानी स्वरूप में रहो, जिससे स्वयं भी प्रत्यक्ष फल का अनुभव करेंगे और अन्य आत्माओं को भी प्रत्यक्ष फल के अधिकारी बनायेंगे। अब भाषा परिवर्तन करो। स्वभाव संस्कार भी परिवर्तन करो। स्वयं भी परिवर्तन करो। स्वभाव-संस्कार सर्व आत्माओं को भी प्रत्यक्षफल के अधिकारी बनायेंगे।। अब भाषा भी परिवर्तन करो। जैसे विश्व परिवर्तन की घड़ी समीप भाग रही हैं - सम्पूर्णता की समीपता ही विश्व परिवर्तन के घड़ी की समीपता है - इसलिए अब बीती सो बीती कर व्यर्थ का खाता समाप्त करो-सदा समर्थ का खाता हर संकल्प में जमा करो - अभी से सदाकाल के लिए अपने को ताज तिलक और तख्तधारी अनुभव करो - तिलक का मिट जाना अर्थात् स्मृति से नीचे आना है। अभी यह बातें स्वप्न से भी समाप्त करो। ऐसा समाप्ति समारोह मनाओ। विश्व सेवा में संकल्प वाणी और कर्म से दिन-रात सच्चे सेवाधारी बन संगठित रूप सदा तत्पर हो जाओ तो विश्व सेवा में स्वयं को चढ़ती कला स्वत: होती जायेगी। पुण्य आत्मा बन, पुण्य का फल प्राप्त कर रहे हैं सदा ऐसे अनुभव करेंगे। क्योंकि समय की समीपता प्रमाण हर श्रेष्ठ कर्म का फल सदा सन्तुष्टता के रूप में वर्तमान और भविष्य दोनों ही काल में प्राप्त होंगे। अभी प्राप्ति की मशीनरी तीव्रगति से अनुभव करेंगे। व्यर्थ का भी और समर्थ का भी - दोनों कर्म का फल लाख गुणा प्राप्ति क्या होती है यह सब अनुभव करेंगे।--02-01-1979

Achanak Aur Eveready

You are a healthy soul who figures out what to remember and what to let go of in order to heal yourself.

BRAHMA KUMARIS
SpARC Wing

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org